कबूल मेरी विनती होनी चाहिए भजन लिरिक्स

कबूल मेरी विनती,
होनी चाहिए,
तेरे पागलों में गिनती,
होनी चाहिए।**bd**।

तेरे नाम का लेके सहारा,
चलता है परिवार हमारा,
कमी नहीं कोई होनी चाहिए,
तेरे पागलों में गिनती,
होनी चाहिए।**bd**।

तेरे सहारे चले जीवन नैया,
आप सम्भालो बनके खिवैया,
नैया पार मेरी होनी चाहिए,
तेरे पागलों में गिनती,
होनी चाहिए।**bd**।

दुनिया की परवाह ना कोई,
जो मरजी तानु समझे कोई,
नाम खुमारी चढी होनी चाहिए,
तेरे पागलों में गिनती,
होनी चाहिए।**bd**।

कबूल मेरी विनती,
होनी चाहिए,
तेरे पागलों में गिनती,
होनी चाहिए।**bd**।

स्वर – पूर्णिमा दीदी जी।
प्रेषक – अमित।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com